आती पाती (अत्ता पत्ता)

दरियाबन्ध अथवा दांव का खेल

खिल—महाराष्ट्र शारीरिक-शिक्षण-मण्डल द्वारा अंगीकृत नियम

क्रीड़ा क्षेत्र

निम्नलिखित चित्र में आयाम

'पटी' नाम से प्रचलित नौ चौड़ी पटियों में से प्रत्येक २३ फुट एक इंच
ा १३ इंच चौड़ी होती है (जैसे अ-ब, क-द आदि)।

सुरपटी नाम से प्रचलित केन्द्रस्थ लम्बी पटी ८६ फुट १ इंच लम्बी
इंच चौड़ी होती है (ई-फ)।

. केन्द्र पटी (सुरपटी) नौओं पटियों का सामान विभाजन करती है।

. (क) दोनों पार्श्ववर्त्ती पटियों के सामने की रेखाओं में ११ फुट का
होता है (बन्द)

(ख) प्रत्येक विभाजित चतुष्कोण (चौक) का प्रत्येक पार्श्व १३ इंच का
(केन्द्र पटी तथा क-ल आदि अन्य पटियों के विभाजन से छोटे-छोटे
ण बनते हैं)

५. (क) कुल मिला कर नौ पटियाँ होती हैं।

(ख) ११ फुट के अन्तर पर अगली तथा दूसरी पिछली पटी के सामने
ानान्तर रेखाएँ खींची जाती है। ये अन्त रेखाएँ हैं (ज-च तथा उ-अ)।
रेखाएँ अन्त रेखाओं को जोड़ने के लिए खींची जाती हैं। प्रत्येक पटी को
त करने वाली दोनों रेखाएं तीन फुट के अन्तर पर पार्श्व-रेखा से बाहर की
नाई जाती हैं।

(ग) क्रीड़ा क्षेत्र के चारों ओर दस फुट का खुला मैदान होना चाहिए।

६. पन्द्रह वर्ष की आयु से छोटे (लड़के) जो पांच फुट से अधिक लम्बे नहीं
नीयस् खिलाड़ी' कहलायेगें।

७, 'केनीयस खिलाड़ियों' के लिए क्रीड़ा-क्षेत्र निम्न प्रकार का होगा :—

(क) प्रत्येक पटी-१२ इंच×२१ फुट होगी।

(ख) पार्श्व पटियों के सामने की रेखाओं में दस फुट का अन्तर होगा।

(ग) केन्द्र पटी (सुरपटी) १२ इंच×८१ फुट होगी।